TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

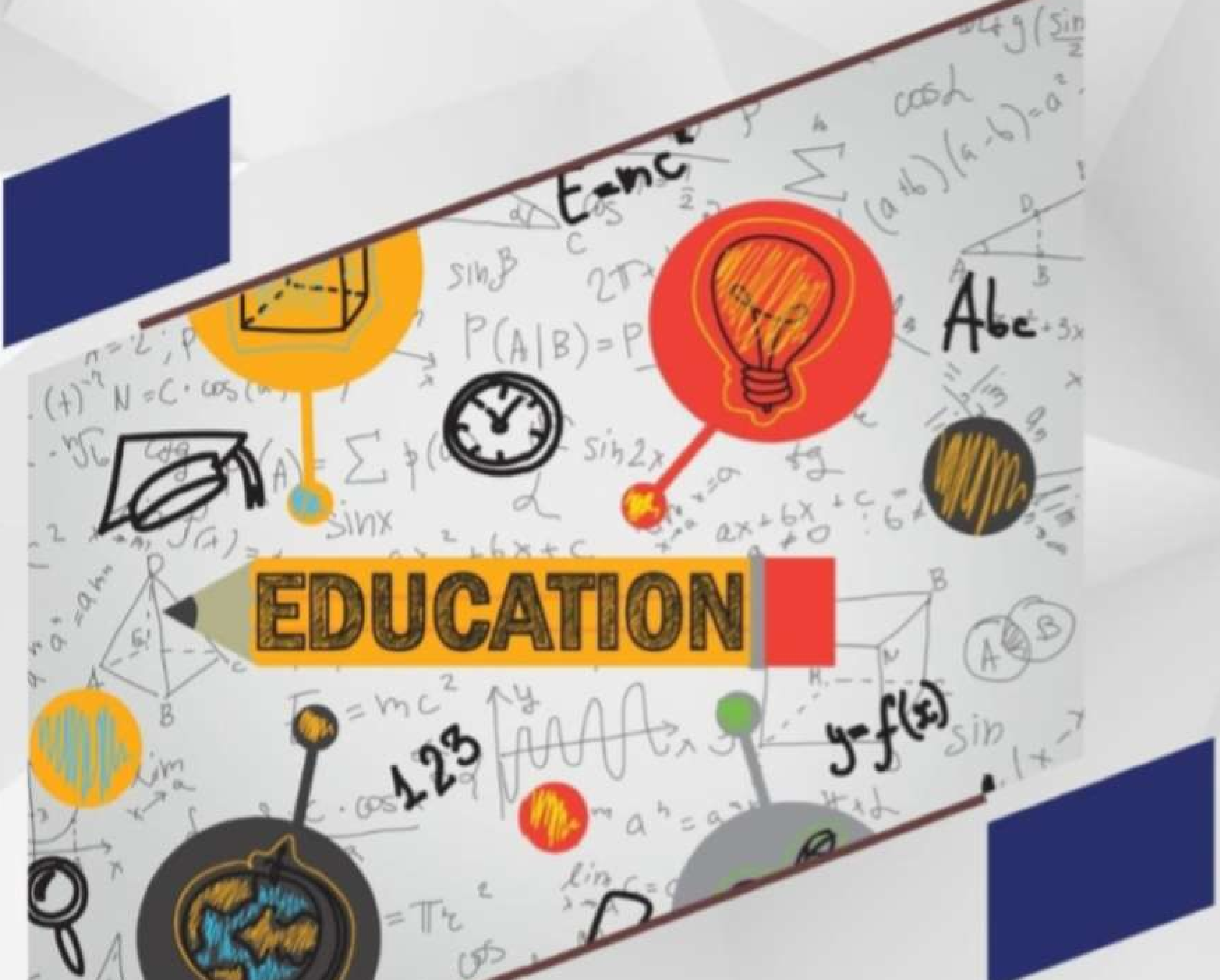

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

जयंती विशेष

31 जुलाई 2025

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

आदमी का सबसे बड़ा शत्रु उसका अहंकार है।

प्रेमचंद

(साहित्यकार)

जन्म : 31 जुलाई 1880 मृत्यु : 08 अक्टूबर 1936

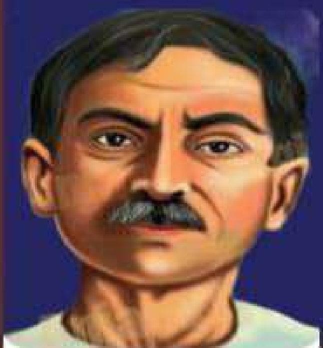

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

दिवस विशेष

31 जुलाई

मधु प्रिया

प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई

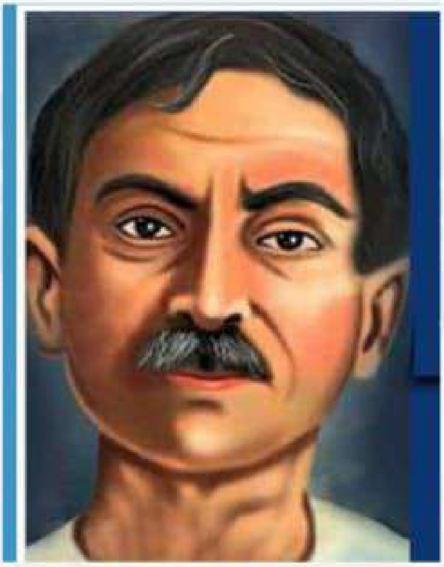

प्रेमचंद का जन्म 31 जुलाई 1880 में वाराणसी के निकट लमही गांव में हुआ था। उनके पिता का नाम मुंशी अजायबराय लमही और उनकी माता का नाम आनंदी देवी था। उनके पिता लमही में डाक मुंशी थे। मुंशी प्रेमचंद का मूल नाम धनपत राय था। उनकी शिक्षा का आरंभ उर्दू, फारसी भाषा से हुआ। शुरुआत से ही उनको पढ़ने लिखने का बहुत ही शौक था। 13 वर्ष की आयु में उन्होंने तिलिस्म-ए-होशरूबा पढ़ ली और उन्होंने उर्दू के मशहूर रचनाकार के कई उपन्यास भी पढ़ें। मेट्रिक शिक्षा प्राप्त करने के बाद में उन्हें एक स्थानीय विद्यालय में शिक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। नौकरी करने के साथ-साथ उन्होंने पढ़ाई भी जारी राखी। उन्होंने अंग्रेजी, दर्शन, फारसी और इतिहास मे इंटर पास किया और इसके बाद में बीए पास करने के बाद शिक्षा विभाग में इंस्पेक्टर पद पर नियुक्त किए गए। मुंशी प्रेमचंद एक अध्यापक, एक लेखक और एक पत्रकार है जिनके द्वारा कई उपन्यास लिखे गए, जिनमें से गोदान, कर्मभूमि, रंगभूमि, सेवासदन जैसे विख्यात उपन्यास शामिल है। प्रेमचंद को आधुनिक हिंदी कहानी के पितामह और उपन्यास सम्राट कहा जाता है. उनकी पहली हिंदी कहानी सरस्वती पत्रिका के नाम से प्रकाशित हुई थी। और उनकी अंतिम कहानी का नाम कफन के नाम से रखा गया। प्रेमचंद 1936 में लखनऊ में प्रगतिशील लेखक संघ के पहले अध्यक्ष के रूप में चुने गए थे। कई दिनों की बीमारी के बाद और पद पर रहते हुए 8 अक्टूबर 1936 को उनका निधन हो गया।

जयंती विशेष 31 जुलाई

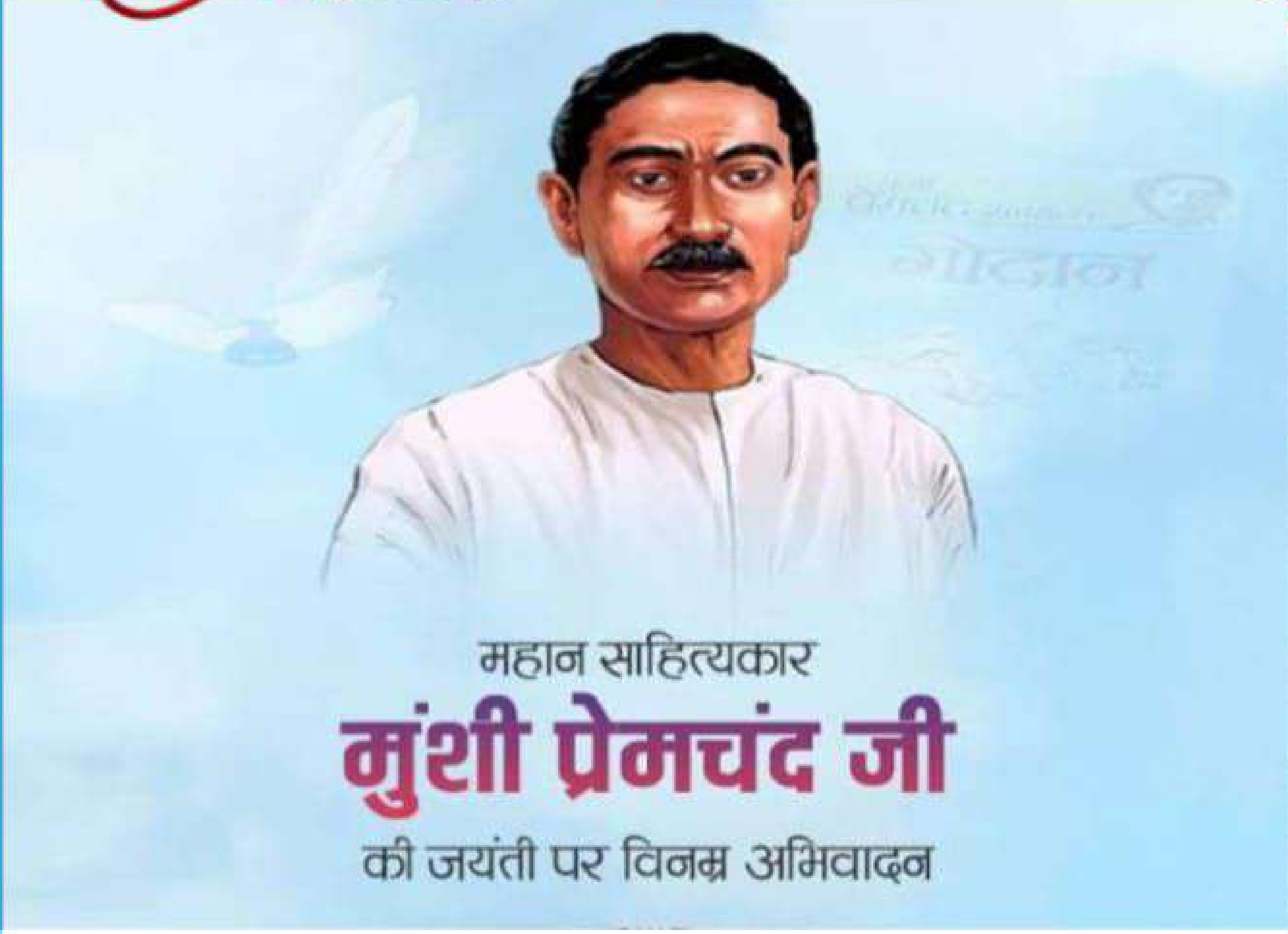

मुंशी प्रेमचंद *Munshi Premchand*, जन्म: 31 जुलाई, 1880 - मृत्यु: 8 अक्टूबर, 1936) **भारत** के उपन्यास सम्राट माने जाते हैं जिनके युग का विस्तार सन् 1880 से 1936 तक है। यह कालखण्ड भारत के इतिहास में बहुत महत्त्व का है। इस युग में भारत का स्वतंत्रता-संग्राम नई मंज़िलों से गुज़रा। प्रेमचंद का वास्तविक नाम **धनपत राय श्रीवास्तव** था।

पीवी सिंधु

ओलिंपिक परफॉर्मेंस

रियो 2016: विमेंस सिंगल्स

1 सिल्वर

टोक्यो 2020: विमेंस सिंगल्स

1 ब्रॉन्ज

Teachers of Bihar

The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 31.07.2025

शैक्षिक सृजन

शैक्षिक सृजन का अर्थ है शिक्षा में रचनात्मकता और नवाचार का उपयोग करना। इसमें छात्रों को सक्रिय रूप से सीखने और समस्याओं को हल करने के लिए प्रोत्साहित करना शामिल है, ताकि वे ज्ञान का निर्माण स्वयं कर सकें. यह शिक्षा को अधिक आकर्षक और प्रभावी बनाने का एक तरीका है, जो छात्रों को महत्वपूर्ण कौशल विकसित करने में मदद करता है।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

उत्तर प्रदेश के **मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ** ने एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। वे **राज्य** के सबसे लंबे समय तक **मुख्यमंत्री पद** पर बने रहने वाले पहले नेता बन गए हैं।

www.teachersofbihar.org राकेश कुमार

पद्य पंकज

“

यह चंचल सपने भोले हैं
दृग- जल पर पाले मैंने
मृदु पलकों पर तोले है
दे सौरभ के पंख इन्हें
सब नयनों में पहुंचाना
जब यह दीप थके तब आना।

महादेवी वर्मा

Madhu priya

www.padyapankaj.teachersofbihar.org

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
भारत माता के निर्भीक
सपूत अमर शहीद
उधम सिंह
की पुण्यतिथि पर कोटि-
कोटि नमन।
26 दिसम्बर 1899 – 31 जुलाई 1940
www. teachersofbihar.org
Madhu priya

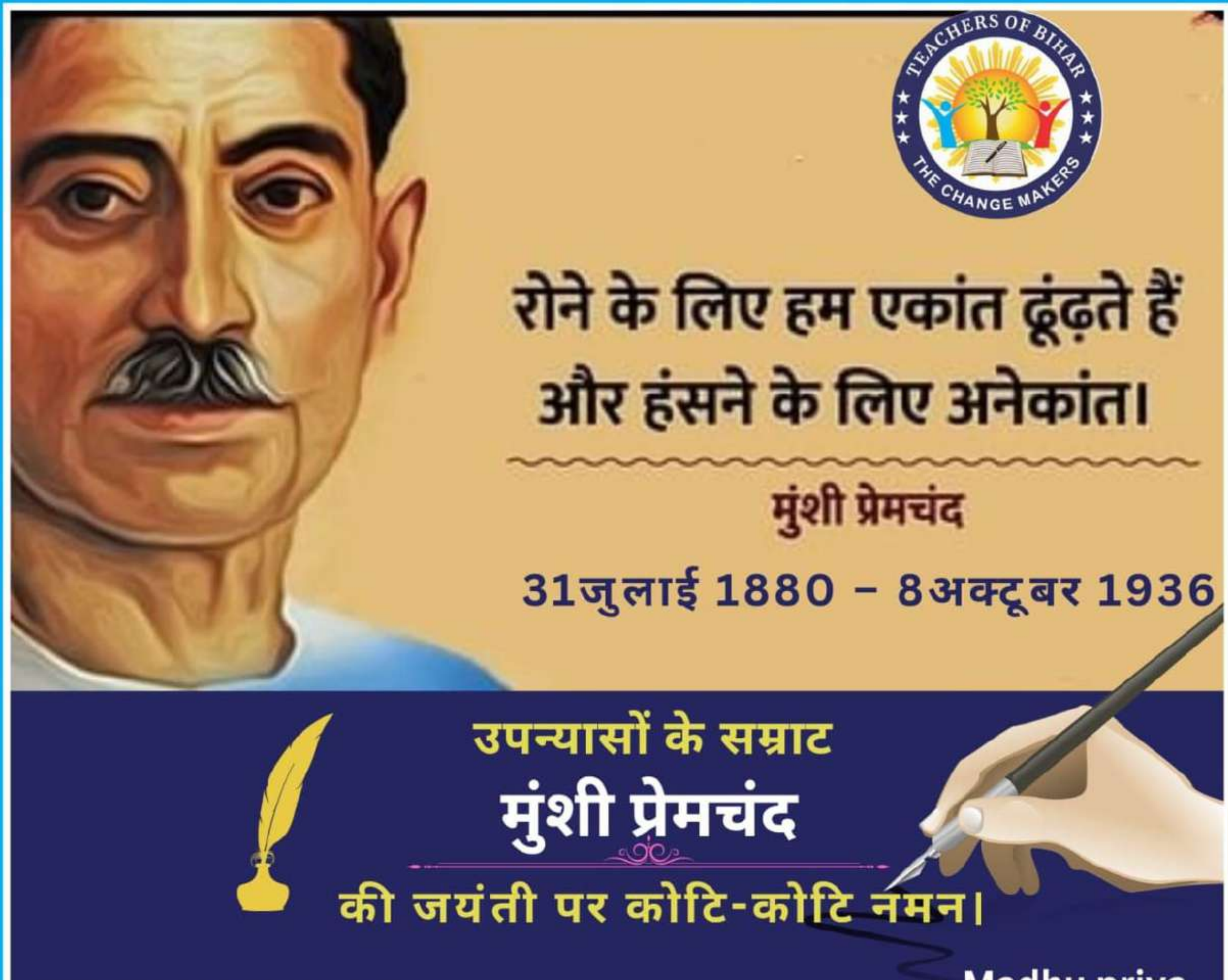
TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
रोने के लिए हम एकांत ढूंढ़ते हैं
और हंसने के लिए अनेकांत।
मुंशी प्रेमचंद
31जुलाई 1880 – 8अक्टूबर 1936
उपन्यासों के सम्राट
मुंशी प्रेमचंद
की जयंती पर कोटि-कोटि नमन।
Madhu priya
www.teachersofbihar.org